NAVBHARAT TIMES

13.01.2025

'निर्भीक बॉक्स' पुलिस तक पहुंचा रहा है स्टूडेंट्स की हर एक कंप्लेंट

■ नवीन निश्चल, द्वारका

स्कूलों में हजारों बच्चों में सुरक्षा की भावना को बढ़ाने और उनके साथ होने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए दिल्ली पुलिस ने 'निर्भीक बॉक्स' अभियान की शुरुआत की थी। जिसके तहत द्वारका जिले में 401 स्कूलों में बॉक्स लगाए जा चुके हैं। स्कूल में लगे इन बॉक्स में लॉक लगा होता है। जिसे खोलने की जिम्मेदारी संबंधित थाने की महिला थानेदार की ही होती है।

सप्ताह में एक दिन खुलता है बॉक्स: सप्ताह में एक दिन महिला थानेदार बॉक्स को खोलती हैं। स्टूडेंट्स की जो शिकायतें होती हैं, उनका वह अपने स्तर से समाधान करती हैं। काफी मामलों में स्कूल के प्रिंसिपल से मिलकर भी शिकायत का समाधान हो जाता है। जिन मामलों में कानूनी कारवाई की जरूरत होती है, उनमें ऐक्शन भी लिया जाता है। इसी के तहत कुछ अरसा पहले छावला थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके आरोपी को पकड़ा गया था।



401 स्कूलों में लगाए जा चुके हैं ये बॉक्स द्वारका जिले में

संबंधित थाने की महिला थानेदार खोलती हैं बॉक्स

स्टॉकिंग की भी शिकायतें: DCP द्वारका अंकित सिंह की देखरेख में यह निर्भीक बॉक्स का जिम्मा द्वारका जिले के मेडिकॉम टीम के हाथ में है। महिला ऑफिसर SI ज्योति यादव के नेतृत्व में टीम काम कर रही है। इसके तहत स्कूली बच्चे अपनी छोटी-छोटी समस्याओं से लेकर स्टॉकिंग तक की कंप्लेंट लिखकर निर्भीक बॉक्स में डालते हैं। पुलिस को मिल रहीं शिकायत में क्लास रूम में सीट पर बैठने को लेकर होने वाले आपसी विवाद से लेकर, हाइजीन और खाने की क्वॉलिटी तक की कंप्लेंट मिलती हैं।